एक नजर में

उद्यानिकी महाविद्यालय के एनएसएस शिविर में तीसरे दिन प्राकृतिक खेती और शिक्षा की गुणवत्ता पर किया मंथन

मंदसौर। उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के तत्वावधान में ग्राम मोहम्मदपुरा (मैनपुरिया) के पंचायत भवन में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन विभिन्न बौद्धिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन हुआ। 17 मार्च से शुरू हुआ यह शिविर 23 मार्च तक संचालित किया जाएगा, जिसकी मुख्य थीम 'प्राकृतिक खेती खुशहाल जीवन' रखी गई है। शिविर के तीसरे दिन 'भारतीय शिक्षा प्रणाली- फायदे और नुकसान' विषय पर एक विचारोत्तेजक सत्र आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों और स्थानीय ग्रामीणों के बीच शिक्षा की वर्तमान स्थिति, उसकी खूबियों और चुनौतियों के प्रति जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. रोशन गलानी के संबोधन से हुई, जिन्होंने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्ति के व्यक्तिगत भविष्य को गढ़ती है, बल्कि राष्ट्र के समग्र विकास की आधारशिला भी रखती है। चर्चा के दौरान भारतीय शिक्षा प्रणाली के सकारात्मक पक्षों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि वर्तमान ढांचा छात्रों को विभिन्न विषयों और धाराओं के विस्तृत विकल्प देता है, जिससे वे अपनी रुचि के अनुसार करियर चुन सकते हैं। साथ ही, सरकारी योजनाओं के माध्यम से विशेषकर ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की पहुँच सुलभ हुई है। सत्र के दौरान शिक्षा प्रणाली की कमियों पर भी गंभीर विमर्श हुआ। वक्ताओं ने इस बात पर चिंता जताई कि हमारी प्रणाली अक्सर व्यावहारिक ज्ञान और आलोचनात्मक सोच के बजाय रटंत पद्धति पर अधिक केंद्रित रहती है। इसके अलावा, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता का ब?ता अंतर और आधुनिक संसाधनों की सीमित उपलब्धता को एक ब?ी चुनौती के रूप में चिन्हित किया गया।

यह संपूर्ण आयोजन उद्यानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. दीपक हरि रानडे के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रदीप तुरुकमाने एवं सह समन्वयक डॉ. प्रियंवदा सोनकर ने सभी स्वयंसेवकों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी रचनात्मक चर्चाएं ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनती हैं। इस ज्ञानवर्धक सत्र ने उपस्थित जनसमूह को शिक्षा के माध्यम से बेहतर भविष्य निर्माण की दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया।

अ.भा. साहित्य परिषद की नूतन वर्ष अभिनंदन काव्य गोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर। अ.भा. साहित्य परिषद मंदसौर इकाई की नूतन वर्ष अभिनंदन काव्य गोष्ठी दशपुर रंगमच के अभय मेहता के मुख्य आतिथ्य, अजय डांगी राजेन्द्र तिवारी, नदंकिशोर राठौर, डॉ. उर्मिला तोमर, चंदा डांगी, नरेन्द्र भावसार, विजय अग्निहोत्री, मनी शामग?वाला, श्यामसुंदर विश्वकर्मा के सानिध्य में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर नंदकिशोर राठौर ने कहा कि चेत्र शुक्ल प्रति प्रतिपदा हिन्दू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। जिसके आगमन पर प्रकृति भी अपना श्रृंगार करती है। पे?ों में नवपल्लव का आगमन पलाश का खिलना, आम्र मंजरी का विकसित होकर कोयल की कूक का आव्हान करना नववर्ष का स्वागत लगता है। ऐसे में कवि हृदय में उपजे मनोभाव कविता का रूप लेते है। इस अवसर पर कवियों ने अपनी नववर्ष की रचनाओं का पाठ किया जिसमें गीतकार नंदकिशोर राठौर नादान ने ''नववर्ष शुभ आगमन, हृदय उठे हिलोर, वंदन करती है धरा, उदित हुई नवभोर' सुनाई। उर्मिला तोमर ने नववर्ष का स्वागत करती कविता ''धरा ने ओ?ली धानी चुनर, गगन में भोर जागी है'', नरेन्द्र भावसार ने ''सुनो-सुनो सुने जनता'' के माध्यम से नेताओं पर व्यंग कसा साथ ही ''जमीन के लिये जमीं में मिल गये जाने कितने'' सुनाकर वर्तमान में चल रहे युद्ध की विभिषाका एवं दुष्परिणामों पर इशारा किया। मनी शामग?वाला ने कविता ''पायल बोली पांव से'' सुंदर दोहो के माध्यम से नववर्ष का स्वागत किया। अभय मेहता ने श्रृंगार कविता ''घूमकर सात फेरे, आज हो गये तुम पराये'' सुनाई। अजय डांगी ने विश्व युद्ध पर कविता ''वो जमाना मोहब्बत था, अब है न मान है न इमान है'' सुनाई। चंदा डांगी ने गांव की परिस्थितियों को चित्रित करते हुए कविता ''गांव में नहीं थी कमाई, पर मिलते रहते थे भाई-भाई'' सुनाई। विजय अग्निहोत्री ने ''गुड़ी पड़वा याने विजय पताका'' की कविता सुनाई। राजेन्द्र तिवारी ने नववर्ष का स्वागत करते हुए ''स्वागतम् संवत्सर'' गीत सुनाया।

रंग तेरस पर श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज ने किया पारंपरिक गोठ

▶ महिला मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष सुमन वर्मा, सचिव मधुबाला सोनी, कोषाध्यक्ष चंदा सोनी नियुक्त

मंदसौर। रंग तेरस पर मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज जनकूपुरा पंचायत द्वारा नगर के संस्कार मैरिज गार्डन में पारंपरिक गोठ का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली तथा सांस्कृतिक वातावरण के बीच संगठनात्मक घोषणाएं भी की गईं।

इस अवसर पर श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज की संयोजक मधु मनोहरलाल सोनी और हंसा घनश्याम सोनी तथा संरक्षक कविता सोनी द्वारा जनकूपुरा पंचायत महिला मंडल के नवीन पदाधिकारियों की घोषणा की गई। सर्वसम्मति से सुमन संजय वर्मा को महिला मंडल का अध्यक्ष बनाया गया। इसके साथ ही सचिव पद पर मधुबाला कृष्णा सोनी एवं कोषाध्यक्ष पद पर चंदा प्रदीप सोनी के नाम घोषित किए गए।

नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित महिलाओं द्वारा पुष्पमालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पारंपरिक गोठ के माध्यम से सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान संयोजक मधु मनोहरलाल सोनी एवं हंसा घनश्याम सोनी ने कहा कि महिला मंडल समाज की शक्ति का महत्वपूर्ण आधार है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। उन्होंने नव-निर्वाचित टीम से अपेक्षा जताई कि वे सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते हुए संगठन को नई दिशा देंगी।

संरक्षक कविता सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने सभी महिलाओं से संगठित होकर शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सेवा के कार्यों में आगे आने का आह्वान किया।

नव-नियुक्त अध्यक्ष सुमन संजय वर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगी। उन्होंने महिला मंडल को और अधिक सक्रिय बनाकर समाजहित में विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रणम के अंत में सभी उपस्थितों ने एकजुटता के साथ समाज के विकास और परंपराओं के संरक्षण का संकल्प लिया।

मनुष्य जन्म अनमोल की प्रस्तुति ने हर मन को किया स्पर्श

मंदसौर। बड़े साथ ओसवाल समाज की रंग तेरस की गोट में बड़े साथ महिला इकाई द्वारा रंगारंग कार्यक्रम के अंतर्गत मनुष्य जन्म अनमोल विषय पर विशेष नाटकीय मंचन का आयोजन किया गया। महिला इकाई उपाध्यक्ष पायल जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि मनुष्य जन्म हमारी आत्मा के अनंत भवों के पुण्य कर्मों का दुर्लभ एवं अमूल्य उपहार है।

कार्यक्रम में आत्मा की निगोद से मोक्ष तक की अद्भुत यात्रा को नाटकीय रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने अत्यंत सराहा और यह प्रस्तुति सभी के हृदय को छू गई। कार्यक्रम की शुरुआत बालिकाओं द्वारा आकर्षक नवकार नृत्य से हुई।

भारती जैन, नेहा भंडारी, प्रियंका जैन, प्रियंका गौरव जैन, अतिका रंगवाला एवं निधि मुरडिया द्वारा मनमोहक घूमर नृत्य प्रस्तुत किया गया। छः काय के जीवों की अनूठी प्रस्तुति सोनू चोरडिया, पूर्णिमा चोरडिया, नीमा जैन, विद्या बाफना, अर्पिता जैन एवं सुरभि भंडारी द्वारा दी गई।

नर्क एवं तिर्यंच गति की प्रभावशाली प्रस्तुति बच्चों द्वारा की गई, वहीं मीना पारख, अमिता मुरडिया एवं शशि मारु ने देव गति का आकर्षक चित्रण प्रस्तुत किया। मनुष्य गति में जीव के प्रथम कदम का सुंदर मंचन नीता जैन एवं रंजीता संघवी द्वारा किया गया, जबकि शिमोना तलेरा की भूमिका को विशेष सराहना मिली।

हुल्लड़ टीम कृ. अनीता मारु, दीपमाला मारु, मधु कड़ावत, प्रभा जैन, मंगला जी, धारीवाल, रानी जैन एवं रेनू खटोडकृने अपने शानदार अभिनय से कार्यक्रम में उत्साह और रंग भर दिए।

नाटक का नृत्यमयी संचालन कविता और प्रिजवी जैन ने किया, जबकि संपूर्ण कार्यक्रम का सुंदर संचालन शिखा दुग्ग? एवं अंशिता नाहर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान तंबोला का भी आयोजन हुआ एवं सभी को आकर्षक उपहार वितरित किए गए।

जांगड़ा पोरवाल समाज महिला मंडल ने प्रतियोगिता विजेताओं को किया सम्मानित

मंदसौर। जांगड़ा पोरवाल समाज द्वारा आराध्य राजा टोडरमल जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में महिला मंडल द्वारा होली गोठ के दौरान आयोजित विविध सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों जगदीशचंद्र सेठिया, लक्ष्मीनारायण कोठारी, रामगोपाल सेठिया, ओमप्रकाश रत्नावत, मुकेश काला, प्रविण गुप्ता, रमेशचंद्र सेठिया एवं रामगोपाल महाजन द्वारा राजा टोडरमल के चित्र पर पूजन एवं माल्यार्पण कर किया गया।

उद्बोधन के दौरान सचिव जगदीश काला ने राजा टोडरमल के जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष रमेशचंद्र सेठिया ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक आयोजन आपसी भाईचारे और मेल-मिलाप को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में समाज की प्रतिभाशाली बेटी सुश्री झील गुप्ता (अभिभावक प्रतिभा और राजेन्द्र गुप्ता) को गुजरात राज्य की सिविल जज परीक्षा में 11वीं रैंक प्राप्त करने पर अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन अध्यक्ष कुसुम सेठिया द्वारा किया गया।

एक नजर ▶ उपभोक्ताओं को मिलेंगी और आसान सुविधाएं...

मंदसौर में स्मृति बैंक के नव-सज्जित एटीएम का उद्घाटन

मंदसौर। स्मृति नागरिक सहकारी बैंक की मुख्य शाखा में नव-सज्जित एटीएम का शुभारंभ बैंक के संस्थापक अध्यक्ष नरेन्द्र नाहटा द्वारा उनके जन्मदिन के अवसर पर फीता काटकर किया गया। यह एटीएम गौशाला मार्केट स्थित बैंक की नई मुख्य शाखा के नीचे भू-तल पर स्थापित किया गया है, जिससे अब ग्राहकों को एटीएम उपयोग के लिए प्रथम तल पर नहीं जाना पड़ेगा। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह सुविधा काफी लाभकारी साबित होगी।

इस अवसर पर बैंक अध्यक्ष राहुल नाहटा, प्रोफेशनल डायरेक्टर सुरेन्द्र नाहटा, निदेशक विकास भंडारी एवं सिद्धार्थ अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील पंजवानी, उप महाप्रबंधक राहुल कुमार, सलाहकार परमानन्द अग्रवाल एवं सुरेन्द्र फरक्या, क्लस्टर हेड कमल रत्नावत, शाखा प्रबंधक प्रवीण जैन सहित बैंक स्टाफ, सेल्स एग्जीक्यूटिव और बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नरेन्द्र नाहटा ने बताया कि स्मृति बैंक ने प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सहकारिता विभाग द्वारा भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में 'सर्वश्रेष्ठ बैंक' का पुरस्कार प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि बैंक को शेड्यूल्ड बैंक बनाने के लिए प्रयास जारी हैं, जिससे ग्राहकों को सरकारी एवं निजी बैंकों जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। साथ ही 1 अप्रैल 2026 से ऋण प्रकरणों का अधिकतम 7 दिनों में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

उप महाप्रबंधक राहुल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बैंक द्वारा 3 वर्ष की सावधि जमा पर 8प्रतिशत तथा अति वरिष्ठ नागरिकों को 8.25 प्रतिशत तक ब्याज दर प्रदान की जा रही है, जो 31 मार्च 2026 तक लागू है। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक में जमा राशि पर डीआई सी जी सी के तहत 5 लाख रुपये तक बीमा सुरक्षा उपलब्ध है।

इसके अलावा बैंक द्वारा व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण, कैश क्रेडिट/ओवरड्राफ्ट, संपत्ति के विरुद्ध ऋण, वेयरहाउस रसीद ऋण, गोल्ड लोन एवं स्व सहायता समूहों को न्यूनतम ब्याज दर पर सरल प्रक्रिया के साथ ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

नीमच

एक नजर में

नीमच में रेती के अवैध खेल का भंडाफोड़, दो डंपर-एक ट्रॉला सहित पांच वाहन पकड़े

नीमच। जिले में शुक्रवार को अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ खनिज शाखा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेती और मिट्टी से भरे पांच वाहनों को जब्त किया है। जब्त किए गए वाहनों में दो डंपर, एक ट्राला तथा दो ट्रैक्टर-ट्रॉली शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद अवैध खनिज परिवहन करने वालों में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार खनिज विभाग की टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर कार्रवाई को अंजाम दिया। ट्राला क्रमांक आरजे 09 जीएफ 7111 को नीमच सिटी क्षेत्र से अवैध रूप से रेती परिवहन करते हुए पकड़ा गया, जबकि डंपर क्रमांक आरजे 09 जीई 6768 को सरवानिया महाराज क्षेत्र से रेती ले जाते समय जब्त किया गया। इसके अलावा रेती से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां भी पकड़ी गईं। एक अन्य वाहन मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया, जिसे भी विभाग ने जब्त कर लिया। पूरी कार्रवाई प्रभारी खनिज निरीक्षक सुनील जाधव के नेतृत्व में टीम द्वारा की गई। विभाग की इस सख्त कार्रवाई को जिले में अवैध उत्खनन और खनिज परिवहन पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। खनिज शाखा की लगातार मुस्तैदी से स्पष्ट है कि प्रशासन अब अवैध खनिज कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है। लगातार हो रही कार्रवाइयों से खनिज माफियाओं में बेचैनी बढ़ गई है।

खेड़ी दायमा गांव में श्मशान घाट की बदहाली, अंतिम संस्कार से पहले ग्रामीणों ने खुद की झाड़ियों की सफाई

नीमच। जिले के मनासा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खेड़ी दायमा में शुक्रवार को एक मार्मिक और चिंताजनक घटना सामने आई। गांव के श्मशान घाट की बदहाली के कारण शोक संतप्त परिवार और ग्रामीणों को अंतिम संस्कार से पहले खुद ही कंटीली झाड़ियों को साफ करना पड़ा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, गांव में एक व्यक्ति की मृत्यु के बाद परिजन शव लेकर श्मशान घाट पहुंचे। वहां का नजारा किसी जंगल से कम नहीं था। परिसर में घनी झाड़ियां और अव्यवस्था के कारण दाह संस्कार संभव नहीं था। ग्रामीणों ने करीब एक घंटे तक मेहनत कर झाड़ियों को हटाया, तब जाकर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हो सकी। ग्रामीणों ने कहा कि कई बार इस समस्या की शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस घटना ने न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर किया, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी का भी जीता-जागता उदाहरण पेश किया। गांव में घटना के बाद आक्रोश का माहौल है और लोग जल्द से जल्द श्मशान घाट की साफ-सफाई और समुचित व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। यह सवाल अब भी गंभीर रूप से उठता है कि आखिर कब तक ग्रामीणों को अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिए खुद संघर्ष करना पड़ेगा, जबकि जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ते रहेंगे।

ग्रुप केंद्र नीमच में हर्षोल्लास के साथ मनाया 87वां सीआरपीएफ दिवस

नीमच। 87वें सीआरपीएफ दिवस के अवसर पर ग्रुप केंद्र नीमच में भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। पूरे परिसर में देशभक्ति, उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत कैंप परिसर स्थित ऐतिहासिक 'शौर्य स्थल' पर दीपक कुमार, विशेष महानिदेशक (प्रशिक्षण), केरिपुबल, नई दिल्ली के द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस दौरान सभी संस्थानों के राजपत्रित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। सभी ने देश की रक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात क्वार्टर गार्ड पर श्री सुरेन्द्र कुमार, डीआईजी ग्रुप केंद्र, नीमच ने सलामी ली। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने सीआरपीएफ के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस बल की स्थापना 27 जुलाई 1939 को नीमच में 'क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस' के रूप में हुई थी, जिसे बाद में देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 'केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (छ्रक्कस्न)' नाम दिया। उन्होंने बताया कि 19 मार्च 1950 को इस बल को 'प्रेसिडेंट कलर्स' प्रदान किया गया, जो इसकी वीरता और उत्कृष्ट सेवा का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि अनेक चुनौतियों के बावजूद सीआरपीएफ ने हर परिस्थिति में उत्कृष्ट कार्य करते हुए स्वयं को विश्व के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बल के अधिकारी एवं जवान देश की एकता और अखंडता के लिए सदैव समर्पित रहेंगे। इस अवसर पर सभी मैस में 'बड़ा खाना' एवं विभिन्न सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सीआरपीएफ के महानिदेशक श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने भी सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को उनके परिवार सहित शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

इसी क्रम में, ग्रुप केंद्र नीमच एवं ज्ञानोदय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ग्रुप केंद्र के 'महाराणा प्रताप भवन' में एक भव्य ओपन मेगा ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए चार श्रेणियों में आयोजित इस निःशुल्क प्रतियोगिता में 150 से अधिक बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में प्रत्येक श्रेणी के शीर्ष तीन विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर ज्ञानोदय इंटरनेशनल स्कूल के प्रोफेसर श्री पंकज श्रीवास्तव, शिक्षकगण, स्टाफ एवं ग्रुप केंद्र के अधिकारी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम बच्चों की रचनात्मकता को मंच प्रदान करने के साथ उनके आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करने में भी सफल रहा।

कुकड़ेश्वर-टामोटी मार्ग पर ईडर नदी पुल का भूमिपूजन

▶ 32 गांवों को मिलेगा आवागमन का नया जीवनदान

मनासा। क्षेत्र के बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। विधायक अनिरुद्ध माधव मारू के प्रयासों से कुकडेश्वर-टामोटी मार्ग पर ईडर नदी (किमी 15/2) पर बनने वाले जलमग्नीय पुल का भूमिपूजन संपन्न हुआ। करीब 855.90 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह पुल वर्षों पुरानी मांग को पूरा करेगा।

यह पुल कुकडेश्वर, पावटी, सुंडी सहित आसपास के लगभग 32 गांवों के लिए 'लाइफलाइन' साबित होगा। बरसात के समय ईडर नदी में जलस्तर बढ़ने से इन गांवों का संपर्क टूट जाता था, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पुल निर्माण के बाद अब वर्षभर सुरक्षित और सुगम आवागमन संभव हो सकेगा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पूर्व में कई जनप्रतिनिधियों के समक्ष यह मांग रखी गई, लेकिन समाधान नहीं हो पाया। विधायक मारू की पहल और दृढ़ संकल्प के चलते अब यह कार्य धरातल पर उतर रहा है, जिससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री नरेन्द्र मालवीय, जिला मंत्री टीना-परमेश्वर दडिंग, मंडल अध्यक्ष मुकेश डांगी, विजय शर्मा, कैलाश पुरोहित, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्याम वसीटा, सरपंच गोपाल धनगर, पार्षद प्रतिनिधि दिनेश राठौर, लाला राठौर, पंकज छाबड़ा, डॉ. सर्वेश मारू सहित कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एक नजर ▶ स्कूल-खेल मैदान पर भूखंड आवंटन का विरोध

खिलाड़ी और नागरिक सड़कों पर उतरे, बोले-मैदान छिना तो खत्म होगा खेल भविष्य

नीमच। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान पर भूखंड आवंटन के प्रस्ताव को लेकर नगर में जनविरोध शुरू हो गया है। यह मैदान वर्षों से विद्यार्थियों, युवाओं और स्थानीय खेल प्रतिभाओं की ओर से उपयोग किया जा रहा है। खिलाड़ी, खेल प्रेमी और नागरिक इस प्रस्ताव के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं।

प्रदर्शनकारियों ने 'स्कूल भूमि बचाओ', 'मैदान हमारा-अधिकार हमारा' और 'बच्चों का खेल मैदान नहीं बिकने देंगे' जैसी तख्तियां लेकर बस स्टैंड से रैली निकाली। इस प्रदर्शन में खिलाड़ियों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, अभिभावक और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल रहे।

प्रदर्शनकारी बोले- यह जमीन खेल संस्कृति का आधार

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह मैदान केवल एक जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि नगर की खेल संस्कृति का आधार है। कई खेल प्रतिभाओं ने इसी मैदान पर अपनी पहचान बनाई है। उनका तर्क है कि यदि इस मैदान पर भूखंड आवंटन या नीलामी की जाती है, तो यह पीढ़ियों से उनके खेल अधिकार को छीनने जैसा होगा।

नगर परिषद को व्यापक आंदोलन की चेतावनी- खिलाड़ियों ने बताया कि यह मैदान खेलकूद का एक प्रमुख केंद्र रहा है। इसे समाप्त करने से बच्चों के पास अभ्यास के लिए कोई स्थान नहीं बचेगा और न ही स्थानीय स्तर पर खेल गतिविधियों के संचालन की कोई उचित व्यवस्था रह जाएगी। उन्होंने जोर दिया कि खेल मैदान को खत्म करना केवल जमीन का मुद्दा नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य और स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन और नगर परिषद को चेतावनी दी है कि यदि जनभावना के विपरीत इस निर्णय को लागू किया जाता है, तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और अधिक व्यापक बनाया जाएगा।

इस प्रदर्शन में महेश राठौर, विशाल जाट, देवकिशन मीणा, राजूलाल भोई, जगदीश राठौर, सुरेश जाट, लक्ष्मीनारायण पाल सहित बड़ी संख्या में नागरिक और खिलाड़ी उपस्थित रहे।

इस मामले में प्रभारी सीएमओ राकेश चौहान ने बताया कि उन्हें विद्यालय के खेल मैदान पर भूमि आवंटन और भूखंड नीलामी की कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि इस संबंध में विरोध सामने आ रहा है, तो मामले की जांच कर उचित निराकरण किया जाएगा।

वहीं, नगर परिषद अध्यक्ष रूपेंद्र जैन ने कहा कि खिलाड़ियों को भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर की जनता विकास के साथ है और जल्द ही खिलाड़ियों के लिए एक नया खेल मैदान तैयार किया जाएगा।